पंजाब केसरी 02/04/2026

जी.एम.एन. कॉलेज में 'मैटलैब कौशल' पर हुई कार्यशाला

जी.एम.एन. कॉलेज में 'मैटलैब कौशल' पर आयोजित कार्यशाला के दौरान मुख्य वक्ता का स्वागत करते आयोजक और भाग लेते विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

अम्बाला, 1 अप्रैल (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज के गणित विभाग द्वारा बुधवार को 'मैटलैब कौशल' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त के मार्गदर्शन में संपन्न हुई इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मैटलैब जैसे आधुनिक कम्प्यूटेशनल उपकरणों की जानकारी प्रदान करना, उनके विश्लेषणात्मक एवं समस्या समाधान कौशल को विकसित करना तथा उन्हें गणितीय अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग से परिचित कराना था।

इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता एम.एम.यू., मुलाना के गणित विभाग के प्रोफैसर डॉ. मनोज कुमार ने अपने व्यावहारिक सत्र में आधुनिक गणित में मैटलैब कौशल के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने प्रदर्शित किया कि किस प्रकार मैटलैब का उपयोग जटिल गणितीय अवधारणाओं को समझने, डेटा विजुअलाइजेशन करने तथा समस्या समाधान क्षमता को विकसित करने में किया जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि छात्रों के बीच विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल क्षमताओं के विकास के लिए मैटलैब कौशल अत्यंत आवश्यक हैं।

प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने अपने संबोधन में वर्तमान शैक्षणिक एवं अनुसंधान परिवेश में मैटलैब जैसे तकनीकी उपकरणों की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अपने व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करने के लिए ऐसे आधुनिक कौशलों को सक्रिय रूप से सीखें और अपनाएं। गणित विभाग की सहायक प्राध्यापक सुजाता गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों को मैटलैब में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती हैं, जो उद्योग एवं अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है। वहीं, सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेश सैनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मैटलैब कौशल सीखने से अनुसंधान, डेटा विश्लेषण और विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में नए अवसरों के द्वार खुलते हैं।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीष्ठ कपूर ने विद्यार्थियों को ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि मैटलैब जैसे उपकरण दृश्य एवं व्यावहारिक माध्यम से गणितीय अवधारणाओं को अधिक सरल और प्रभावी ढंग से समझने में सहायक होते हैं। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। अंत में, डॉ. राजेश सैनी ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गणित विभाग की सहायक प्राध्यापक अर्चना जैन भी उपस्थित रहीं।